

प्रधानमंत्री कार्यालय

“टीबी उन्मूलन” शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 13 MAR 2018 1:34PM by PIB Delhi

भारत के स्वास्थ्य मंत्री,
स्वास्थ्य राज्यमंत्री,
नाइजीरिया के स्वास्थ्य मंत्री,
इंडोनेशिया के स्वास्थ्य मंत्री,
विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक,
मंच पर उपस्थित अन्य महानुभाव,
विश्व भर से आए अतिथिगण,
देवियों और सज्जनों,

‘End TB SUMMIT’ में सम्मिलित होने के लिए आप सभी भारत आए, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूँ और हृदय से आप सभी का स्वागत करता हूँ।

साथियों,

ट्यूबरकलोसिस- TB को अब से करीब 25 वर्ष पूर्व विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इमरजेंसी घोषित किया गया था। तब से लेकर अलग-अलग देशों में TB की रोकथाम के लिए अलग-अलग तरह से प्रयास किए गए हैं। निश्चित तौर पर हम सभी ने काफी लंबा रास्ता तय किया है, TB की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर काम किया है, लेकिन एक Ground Reality ये भी है कि TB को रोकने में हम अब भी पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं।

साथियों,

मेरा मानना है कि जब कोई कार्य दस साल बीस साल से किया जा रहा है, और उसके नतीजे वैसे नहीं आते हैं जैसी की अपेक्षा की गई थी, तो हमें अपनी अप्रोच बदलकर देखना चाहिए। जिस तरह से कार्य किया जा रहा है, जिस तरह की योजनाओं को लागू किया गया है, जमीन पर जिन तरह से काम हो रहा है, उसे बहुत व्यापक तरीके से analyze करने की आवश्यकता होती है। जब आप गंभीरता से पुरानी प्रक्रियाओं को analyze करते हैं, तभी नई अप्रोच का रास्ता खुलता है।

मुझे खुशी है कि इसी सोच के साथ भारत की Health और Family Welfare Ministry, WHO South East Asia Region और Stop TB Partnership मिलकर एशिया, अफ्रीका और दुनिया के अनेक देशों के प्रतिनिधियों को आज एक मंच पर लाए हैं। इसी साल सितंबर में United Nations में General Assembly की महत्वपूर्ण बैठक भी होने जा रही है। इस बैठक से पहले की तैयारी के तौर पर आज का

ये आयोजन, पूरी मानवता के लिए बहुत अहम है। मुझे उम्मीद है कि “Delhi End TB Summit” TB को धरती से हमेशा के लिए खत्म करने की दिशा में एक landmark event के तौर पर जाना जाएगा।

साथियों,

अभी हाल ही में इसी दिशा में भारत की एक और पहल को एक वर्ष पूरे हुए हैं। पिछले वर्ष “Delhi Call for Action to end TB in the WHO South East Asia Region by 2030” के प्रस्ताव को सर्व सहमति से स्वीकारा गया था। इस प्रस्ताव के बाद शुरू हुई प्रक्रियाएं South East Asia region में TB को समाप्त करने की दिशा में बहुत सकारात्मक पहल के तौर पर सामने आ रही हैं।

TB जिस तरह लोगों के जीवन पर, समाज के स्वास्थ्य पर, देश की अर्थव्यवस्था पर और देश के भविष्य पर असर डालती है, उसे देखते हुए अब तय समय के भीतर TB से मुक्ति पाना बहुत आवश्यक हो गया है। भारत में तो वैसे भी किसी भी communicable disease से TB का प्रभाव सबसे ज्यादा है और इसका सबसे ज्यादा शिकार भी गरीब होते हैं। इसलिए TB खत्म करने के लिए उठाया गया हर कदम, सीधे-सीधे गरीबों के जीवन से जुड़ा हुआ है।

साथियों,

दुनिया भर में TB को खत्म करने के लिए वर्ष 2030 तक का समय तय किया गया है।

लेकिन आज मैं इस मंच से ये घोषणा कर रहा हूँ कि भारत ने वर्ष 2030 से पाँच साल और पहले, यानि 2025 तक TB को खत्म करने का लक्ष्य अपने लिए तय किया है। हमारी सरकार एक नई अप्रोच, नई रणनीति के साथ भारत से TB समाप्त करने के मिशन में जुट गई है। भारत सरकार द्वारा जो नए strategic initiatives शुरू किए गए हैं, उसकी एक झलक आपने अभी यहां प्रस्तुत किए गए presentation में भी देखी है। TB खत्म करने के लिए जितने भी stake-holders उत्तरदायी हैं, उन्हें हमारी सरकार एकजुट होकर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है।

भाइयों और बहनों,

भारत में TB को 2025 तक खत्म करने के लिए जो National Strategic Plan बनाया गया था, वो अब पूरी तरह operational है। सरकार द्वारा TB से जुड़ी योजनाओं पर बजट लगातार बढ़ाया जा रहा है। इस वर्ष के बजट में ही हमारी सरकार ने इस बीमारी के मरीजों को पौष्टिक सहायता देने के लिए अतिरिक्त 100 मिलियन डॉलर प्रतिवर्ष खर्च करने का प्रावधान किया है। मरीजों को nutritional support खरीदने में दिक्कत न हो, इसके लिए उनके बैंक अकाउंट में सरकार की तरफ से सीधे आर्थिक सहायता ट्रांसफर की जा रही है। TB के मरीजों की सही पहचान हो, Active Cases के बारे में समय पर पता चले, जो दवाइयां दी जा रही हैं, वो प्रभावी हैं भी या नहीं, drug-resistant TB तो नहीं है, इन विषयों को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। ‘Treat every TB patient best at the very first opportunity’ के सिद्धांत के साथ सरकार इन योजनाओं में private sector को भी engage कर रही है। इसके अलावा हमारा जोर टेक्नोलॉजी और नए Innovations के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल पर भी है। Internet-of-Things को आधार बनाते हुए state-of-the-art, Information Communication Technology सिस्टम और उससे जुड़े प्लेटफॉर्म डवलप किए जा रहे हैं। प्रोग्राम के management के लिए, disease surveillance के लिए, treatment monitoring के mobile-health solutions देने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।

हमने Digital X-Ray reading के लिए स्वदेशी molecular diagnostic machine भी विकसित की है। Artificial Intelligence आधारित इस मशीन को True NAAT नाम दिया गया है। ये मशीन Make in India की मुहिम को भी बल देती है। TB से जुड़े विभिन्न विषयों, जैसे वैक्सीन, बेहतर दवाइयां, diagnostics and implementation इन सभी को और मजबूत करने के लिए India TB Research Consortium की भी स्थापना की गई है।

TB को भारत से मिटाने के लिए राज्य सरकारों की भी बड़ी भूमिका है। Cooperative Federalism की भावना को मजबूत करते हुए, इस मिशन में राज्य सरकारों को अपने साथ लेकर चलने के लिए मैंने खुद देश के सभी मुख्यमंत्रियों को चिट्ठी लिखकर इस अभियान से जुड़ने का आग्रह किया है। यहां इस आयोजन में राज्यों की तरफ से आए मंत्रिगण और संबंधित पदाधिकारियों का इतनी बड़ी संख्या में उपस्थित होना, इस बात का संकेत है कि कैसे हम Team India की तरह अपने देश को TB से मुक्ति दिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

साथियों,

TB से मुक्ति का ये मिशन भले ही भारत में हो या किसी भी देश में, frontline TB physicians और workers की बड़ी भूमिका होती है। इसके साथ ही हर वो व्यक्ति जो TB से ग्रसित होने के बाद रोग्यूलर दवा लेता है, अपना इलाज कराता है और इस बीमारी को हराकर ही दम लेता है, वो भी प्रशंसा का पात्र है। TB का मरीज, अपनी इच्छा-शक्ति से जिस तरह इस बीमारी पर विजय प्राप्त करता है, वो दूसरों के लिए भी प्रेरणा का काम करता है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि मरीजों की इच्छा-शक्ति और अपने passionate TB workers के सहयोग से भारत के साथ ही दुनिया का हर देश अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगा। यहां हेल्थ सेक्टर के जो लोग, भारत से हैं, उन्हें मैं विशेष तौर पर अपना best effort करने के लिए कहूंगा क्योंकि आपके लिए TB Free India का लक्ष्य 2030 नहीं, 2025 है। सही रणनीति के साथ, सही तरीके से Ground पर हम नीतियों को लागू करते चलेंगे, तो इस लक्ष्य को प्राप्त करने से हमें कोई रोक नहीं पाएगा।

साथियों,

ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़कर, स्थानीय स्तर पर लोगों को जागरूक करके, TB की जांच के तरीकों, TB के इलाज, यानि multi-sectoral engagement के माध्यम से हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए सरकार और प्रशासन के हर स्तर, पंचायत, म्यूनिसिपैलिटी, जिला प्रशासन, राज्य सरकार, सभी को अपने-अपने स्तर पर 'TB Free गांव, पंचायत, जिला या राज्य बनाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा देनी होगी।

साथियों,

भारत को 2025 तक TB से मुक्त करने का लक्ष्य कुछ लोगों को मुश्किल भले लग रहा हो, लेकिन ये असंभव नहीं है। पिछले चार साल से जिस तरह हमारी सरकार नई अप्रोच के साथ काम कर रही है, उससे इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

भाइयों और बहनों,

हम समस्याओं को, चुनौतियों को टुकड़ों-टुकड़ों में नहीं देखते। जब एक Holistic तरीके से इन चुनौतियों से निपटने का प्रयास किया जाता है तो उसके नतीजे भी मिलते हैं। मैं आलोचना में नहीं जाना चाहता लेकिन आपको अपने यहां के immunization कार्यक्रम के बारे में बताना चाहता हूं। भारत में immunization 30-35 साल से चल रहा है। बावजूद इसके 2014 तक हम संपूर्ण कवरेज का लक्ष्य प्राप्त नहीं कर पाए थे। जिस रफ्तार से immunization का दायरा बढ़ रहा था, अगर वैसे ही चलता रहता तो भारत को संपूर्ण कवरेज तक पहुंचने में 40 साल और लग जाते।

साथियों,

पहले हमारा immunization coverage सिर्फ एक प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा था। सिर्फ तीन-साढ़े तीन साल में अब ये 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष से ज्यादा हो गया है और अगले एक वर्ष में हम 90 प्रतिशत immunization coverage का लक्ष्य हासिल करने जा रहे हैं। दूसरे देशों से आए हमारे अतिथि सोच रहे होंगे कि आखिर ये कैसे संभव हुआ ?

साथियों,

मैं जब नई अप्रोच की बात करता हूँ, तो उसके पीछे यही वजह है। हमने पहले देश के उन जिलों, उन क्षेत्रों को चिह्नित किया जो बरसों से चल रहे immunization coverage से बाहर थे या जहाँ टीकाकरण के नाम पर सिर्फ खानापूरी हो रही थी। इन क्षेत्रों को Target करके हमारी सरकार ने मिशन इन्द्रधनुष शुरू किया, वैक्सीनेशन के लिए नई दवाइयाँ जोड़ीं और ग्राउंड लेवल पर जाकर काम करना शुरू किया। आज इसका परिणाम हम सभी देख रहे हैं।

साथियों,

ऐसी ही नई अप्रोच के साथ हमारी सरकार स्वच्छ भारत मिशन के लिए भी काम कर रही है। इसी का नतीजा है कि 2014 में देश के ग्रामीण इलाकों में स्वच्छता का जो दायरा लगभग 40 प्रतिशत था अब वो बढ़कर लगभग 80 प्रतिशत तक पहुँच गया है। इतने कम समय में हमने दोगुनी कवरेज हासिल की है। हम बहुत तेजी के साथ अक्टूबर 2019 में open defecation free India की तरफ बढ़ रहे हैं। मैं ये दो उदाहरण आज इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसलिए दे रहा हूँ क्योंकि मैं हर देश के बीच इस बात पर फिर जोर देना चाहता हूँ कि बड़े और मुश्किल लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। हाँ, उसके लिए पहली आवश्यकता है कि कोई लक्ष्य तय तो किया जाए। जब लक्ष्य ही तय नहीं होगा, तो फिर न रफ्तार रहेगी, न दिशा रहेगी और न ही आप मंजिल तक पहुँच पाएंगे।

साथियों,

इसी हौसले के साथ, इसी तरह तय लक्ष्य और तय रणनीति पर चलते हुए भारत भी 2025 तक TB मुक्त होने के अपने संकल्प को पूरा करेगा, ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है। साथियों, आप सभी Health Sector के एक्सपर्ट्स हैं। ये भी भली-भाँति समझते हैं कि कोई भी बीमारी को खत्म करने के लिए multi-sectoral interventions की आवश्यकता होती है। TB के विषय में मैंने दवाइयों, इलाज की मॉनीटरिंग, रीसर्च, पौष्टिक आहार के लिए आर्थिक सहायता जैसे अनेक interventions के बारे में आपको बताया। लेकिन इसके साथ ही भारत में कुछ और भी चीजें हो रही हैं जो TB के प्रभाव को, इस बीमारी को कम करने में बहुत सहायक हैं। इनमें से एक स्वच्छ भारत मिशन है, जिसके बारे भी मैं मैंने आपको विस्तार से बताया है। इसी तरह भारत सरकार की उज्ज्वला योजना भी TB कम करने में बड़ी भूमिका निभा रही है। इस योजना के तहत सरकार 8 करोड़ गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन देने का काम कर रही है। घर में LPG आने के बाद महिलाएं, उनके बच्चे, उनका परिवार लकड़ी के धुएँ से मुक्त हो रहा है और साथ ही साथ खुद पर TB का खतरा भी कम कर रहा है। चार दिन पहले अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हमारी सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर पोषण मिशन भी शुरू किया है। इस मिशन का मकसद भी सिर्फ लोगों को पौष्टिक भोजन देना नहीं है। हमारा लक्ष्य वो Eco-system तैयार करना है जिसमें कुपोषण की संभावना कम से कम हो।

साथियों,

इस साल के बजट में भारत ने दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ एश्योरेंस स्कीम भी शुरू करने का ऐलान किया है। ये योजना है आयुष्मान भारत यानि "Long Live India". इसके माध्यम से हमारी सरकार देश में primary, secondary and tertiary care-system को और मजबूत करने का काम करेगी।

सरकार द्वारा देशभर में डेढ़ लाख Health and Wellness Centres की स्थापना की जा रही है। ये वेलनेस सेंटर primary health care का काम करेंगे जहां पर diagnostic services भी होंगी और लोगों को सस्ती दवा भी दी जाएगी। इसके अलावा 10 करोड़ गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए 5 लाख रुपए प्रतिवर्ष का हेल्थ एश्योरेंस भी दिया जाएगा।

भाइयों और बहनों,

हमारा भारतीय दर्शन और भारतीय पुरातन विज्ञान स्वास्थ्य को लेकर हमेशा से बहुत स्पष्ट रहा है। हमारे यहां कहा गया है-

सर्वे भवन्तु सुखिनः,

सर्वे सन्तु निरामयाः

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिददुःखभाग्भवेत् ।

यानि

May All become Happy, May All be Free from Illness.

May All See what is Auspicious, May no one Suffer.

इसी दर्शन की वजह से भारत भूमि पर आयुर्वेद और योग जैसी वैज्ञानिक पद्धतियों का जन्म हुआ। सैकड़ों वर्षों से ये भारतीय जनमानस में रचा-बसा हुआ है। Curative, Promotive और Preventive हेल्थ केयर के इन तरीकों को अब अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिल रही है। हमारी सरकार भी पुरातन भारतीय पद्धतियों और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों को साथ लेकर चल रही है। मैं स्वास्थ्य मंत्रालय से आज ये भी आग्रह करूंगा कि TB के निदान में आयुर्वेद के योगदान को लेकर रीसर्च का दायरा बढ़ाया जाए और उसके जो भी नतीजे आएंगे, वो हमारे साथी देशों से भी साझा किया जाए। सबका साथ-सबका विकास का हमारा मंत्र, क्षेत्रीय सीमाओं में बंधा हुआ नहीं है। TB Free World बनाने के लिए भारत हर देश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए सहर्ष तैयार है।

TB से लड़ाई में जिन भी देशों को first line drugs, commodities और technical support की जरूरत होगी, हम पूरी तत्परता के साथ उस देश का साथ देंगे।

साथियों,

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि कोई भी योजना सफल है या असफल, ये इस बात पर निर्भर करता है कि उससे last needy person को कितना लाभ हो रहा है। हमारी सरकार इस बात के लिए प्रतिबद्ध है कि हमारी योजनाएं, उस last needy person तक पहुंचें और उसकी Ease of Living बढ़ाएं।

आज इस अवसर पर मैं हर व्यक्ति, हर सरकार, हर संस्था, सिविल सोसायटी से जुड़े हर प्रतिनिधि से भी ये संकल्प लेने का आग्रह करता हूँ कि वो TB के उस last person तक पहुंचने में, TB Free India बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए।

TB Free India का संकल्प, TB Free World के संकल्प को भी पूरा करने में सहयोग करेगा।

इस बड़े लक्ष्य के लिए, बहुत-बहुत शुभकामनाओं के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ। आप सभी का इस आयोजन में आने के लिए एक बार फिर बहुत-बहुत आभार। धन्यवाद

AKT/SH - 7014

(रिलीज़ आईडी: 1524068) आगंतुक पटल : 372

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Assamese , English , Urdu

प्रधानमंत्री कार्यालय

कैंसर संस्थान-अडियार, चेन्नई में प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 12 APR 2018 2:44PM by PIB Delhi

तमिलनाडु के राज्यपाल,
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री,
मंत्रिपरिषद के मेरे सहयोगी,
तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री,
मंच पर विराजमान अन्य सम्मानित अतिथिगण,
देवियों और सज्जनों,

मैं 14 अप्रैल को मनाए जाने वाले विलाम्भी तमिल नव वर्ष पर विश्व में रहे रहे सभी तमिल लोगों को हार्दिक बधाई देता हूँ। कैंसर संस्थान अडियार आकर मुझे प्रसन्नता हुई है। यह भारत में पुराने और सर्वाधिक महत्वपूर्ण व्यापक कैंसर देखभाल केन्द्रों में एक है।

बदलती जीवन शैली, गैर-संक्रमणकारी बीमारियों पर बोझ डाल रही है। कुछ अनुमान के अनुसार हमारे देश में कुल मृत्यु का 60 प्रतिशत कारण गैर-संक्रमणकारी बीमारियाँ हैं।

केन्द्र सरकार ने देश के विभिन्न भागों में 20 राज्य कैंसर संस्थानों तथा 50 तृतीयक कैंसर केन्द्र स्थापित करने की योजना बनाई है। तृतीयक कैंसर केन्द्र की स्थापना के लिए 45 करोड़ रुपये और राज्य कैंसर संस्थान की स्थापना के लिए 120 करोड़ रुपये लगाने वाले पात्र संस्थानों के प्रस्ताव मंजूर किए जा सकते हैं। मुझे यह बताने में प्रसन्नता है कि अब तक 15 राज्य कैंसर संस्थान और 20 तृतीयक कैंसर केन्द्र स्थापित करने की मंजूरी दी गई है। 14 नये अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान कैंसर रोग विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर फोकस के साथ स्थापित किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत वर्तमान संस्थान कैंसर रोग सेवाओं के प्रावधान के साथ उन्नत बनाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति-2017 बीमारियों के रोकथाम के महत्व को रेखांकित करती है।

आयुष्मान भारत के व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के अंतर्गत हम लोगों के घरों के निकट बीमारियों की रोकथाम और इलाज की सेवा प्राथमिक स्तर पर प्रदान करेंगे।

हमने आबादी के आधार पर मधुमेह, उच्च रक्तचाप तथा सामान्य कैंसर जैसी गैर-संक्रमणकारी बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण, जांच और प्रबंधन का कार्य शुरू किया है।

आयुष्मान भारत में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन भी शामिल है।

यह 10 करोड़ से अधिक परिवारों को कवर करेगा। इस मिशन के जरिए लगभग 50 करोड़ लोग लाभान्वित होंगे। इस मिशन के अंतर्गत दूसरे और तीसरे चरण में अस्पताल में दाखिल होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का बीमा कवच प्रदान किया जाएगा।

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित विश्व का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कार्यक्रम होगा। इस योजना का लाभ पूरे देश को मिलेगा। लोग सरकारी और पैनल में शामिल निजी अस्पतालों में लाभ प्राप्त कर सकेंगे। योजना का उद्देश्य स्वास्थ्य पर जेब से होने वाले खर्चों को कम करना है।

कैंसर जैसी बीमारियों की रोकथाम, नियंत्रण और प्रबंधन के लिए स्वयंसेवी संगठनों तथा निजी क्षेत्र सहित समाज के सभी वर्गों की सक्रियता की आवश्यकता है।

कैंसर संस्थान डब्ल्यूआईए, चेन्नई एक स्वैच्छिक धर्मादा संस्थान है, जिसकी स्थापना स्वर्गीय डॉ. मुथुलक्ष्मी रेड्डी के प्रेरक नेतृत्व में स्वैच्छिक महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं के समूह द्वारा की गई थी।

इस संस्थान ने एक छोटे कॉटेज अस्पताल के रूप में अपनी शुरुआत की। यह दक्षिण भारत का पहला कैंसर विशेषज्ञता वाला अस्पताल था और देश का दूसरा कैंसर अस्पताल। आज संस्थान में 500 बिस्तरों का कैंसर अस्पताल है। मुझे बताया गया है कि इन बिस्तरों में 30 प्रतिशत बिस्तरों के लिए रोगियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

केन्द्र सरकार द्वारा 2007 में संस्थान के मोलेकुलर ऑन्कोलॉजी विभाग को “उत्कृष्टता केन्द्र” घोषित किया गया। यह 1984 में स्थापित भारत का पहला सुपर स्पेशलिटी कॉलेज है। इसकी उपलब्धियां पथप्रदर्शक और सराहनीय हैं।

डॉ शान्ता ने अपने प्रारंभिक भाषण में संस्थान के सामने आ रही कठिनाइयों की चर्चा की। मैं उन्हें आश्वस्त करना चाहूंगा कि हम उनकी बातों पर गौर करेंगे और मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री से अनुरोध करूंगा कि वह देखें कि क्या किया जा सकता है। मैं अंत में उस विषय पर जाना चाहूंगा जिसे कुछ दिनों से कुछ निहित स्वार्थों द्वारा उठाया गया है।

15वें वित्त आयोग के संदर्भों को लेकर एक निराधार आरोप लगाया जा रहा है कि आयोग कुछ राज्यों और एक क्षेत्र विशेष के साथ भेदभाव कर रहा है। मैं कुछ कहना चाहूंगा, जिसे हमारे आलोचकों ने भुला दिया है। केन्द्र सरकार ने वित्त आयोग को सुझाव दिया है कि ऐसे राज्यों को प्रोत्साहन देने पर विचार किया जाए, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण पर कार्य किए हैं। इस आधार पर जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में प्रयास करने, ऊर्जा तथा संसाधन लगाने में तमिलनाडु जैसे राज्य को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। पहले ऐसी स्थिति नहीं थी।

मित्रों,

केन्द्र सरकार सहकारी संघवाद के प्रति संकल्पबद्ध हैं। हमारा मंत्र है सबका साथ, सबका विकास। हम सब नया भारत बनाने के लिए मिलकर काम करें, जिससे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को गर्व हो।

धन्यवाद।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

वीएल/एएम/एजी/एमएस-8141

(रिलीज़ आईडी: 1528850) आगंतुक पटल : 280

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Tamil , Telugu , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय

एम्स में विभिन्न हैल्थकेयर परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री के सम्बोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 29 JUN 2018 5:24PM by PIB Delhi

मंत्रिपरिषद् के मेरे साथी श्रीमान जे. पी. नड्डा जी, अश्विनी चौबे जी, अनुप्रिया पटेल जी और इस मंच पर उपस्थित श्रीमान रणदीप गुलेरिया जी, श्री आई. एस. झा, डॉ. राजेश शर्मा और सभी महानुभव।

दिल्ली के लोगों के लिए इलाज के लिए, दिल्ली आने वाले लोगों के लिए, आप सभी के लिए एक प्रकार से आज का विशेष दिन है। और मुझे खुशी है कि आज गरीबों को, सामान्य जन को, निम्न मध्यम वर्ग, मध्यम वर्ग को अपने जीवन की मुश्किल परिस्थिति से पार पाने के लिए, अपनी और स्वजनों की बीमारी से लड़ने में मदद करने के लिए कुछ नये आधार स्तंभ प्राप्त हो रहे हैं। अब से थोड़ी देर पहले यहां पर लगभग 17 सौ करोड़ के नये प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। इससे दिल्ली में मौजूद देश के दो बड़े अस्पतालों- एम्स और सफदरजंग अस्पताल में करीब-करीब 18 सौ से अधिक बेड की नई capacity का मार्ग खुला है।

Friends, AIIMS पर बढ़ते दबाव को देखते हुए दिल्ली में इसके सभी कैंपसों की क्षमता को बढ़ाया जा रहा है। आज तीन सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से बनने वाले National Centre for Ageing का भी शिलान्यास हुआ है। ये सेंटर 200 बेड्स का होगा। आने वाले डेढ़ दो वर्षों में इसे पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। यहां वरिष्ठ नागरिकों के लिए तमाम सुविधाएं होंगी। इसमें वृद्धावस्था, विज्ञान अनुसंधान केंद्र भी होगा, जहां वृद्धावस्था से जुड़ी समस्याओं को लेकर रिसर्च की जा सकेगी। इसके अलावा सफदरजंग अस्पताल में भी 13 सौ करोड़ से अधिक राशि खर्च करके अस्पताल में सुविधाओं को और आधुनिक बनाने का काम हुआ है। इसी के तहत यहां एक एमरजेंसी ब्लॉक पर एक सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक की सेवाओं को देश को समर्पित किया गया है। सिर्फ मेडिकल एमरजेंसी के लिए 500 बेड्स की नई क्षमता के साथ सफदरजंग अस्पताल देश का सबसे बड़ा एमरजेंसी केयर अस्पताल बन जाएगा।

साथियों, आज जिन पांच प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। उसमें से एक पावर ग्रिड विश्राम सदन भी है। सार्वजनिक उपक्रमों और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का ये एक उत्तम उदाहरण है। इससे न सिर्फ मरीजों को बल्कि उनकी देखरेख करने वालों को भी बहुत बड़ी राहत मिल रही है।

साथियों, समय पर सही इलाज, जीवन बचाने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन दिल्ली का ट्रैफिक कई बार इसमें बाधक बन जाता है। विशेष तौर पर एम्स के अलग-अलग सेंटर और कैंपस के बीच मरीजों और डॉक्टरों की आवाजाही को लेकर पहले बहुत बड़ी समस्या थी। एम्स की मुख्य बिल्डिंग और जय प्रकाश नारायण ट्रामा सेंटर के बीच ये समस्याएं भी अब सुलझ गई हैं। लगभग एक किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड सुरंग का भी अभी थोड़ी देर पहले लोकार्पण करने का अवसर मिला। इस टनल से मरीजों, उनके रिश्तेदारों, डॉक्टरों और जरूरी दवाइयों यंत्रों को बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित हुई है।

साथियों, भारत जैसे हमारे विशाल, विकासशील देश के लिए सस्ती, सुलभ, सुरक्षित और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं जुटाना कितनी बड़ी जिम्मेवारी है इससे आप भली-भांति परिचित हैं। बीते चार वर्षों में Public Health Care को लेकर देश को एक नई दिशा दी गई है। केंद्र सरकार के एक के बाद

एक Policy Intervention से हम उस स्थिति की तरफ बढ़ रहे हैं जहां देश के गरीब और मध्यम वर्ग को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटकना न पड़े, अनावश्यक खर्च न करना पड़े। राज्य सरकारों के साथ मिलकर केंद्र सरकार देश भर में स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा आधुनिक Infrastructure खड़ा कर रही है। ये सरकार के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। कि आज देश में अस्पतालों में बच्चों को जन्म देने का प्रचलन Institutional Delivery, उसका प्रचलन बढ़ा है। गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की निरन्तर जांच, टीकाकरण में पांच नई वेक्सिन जुड़ने से मातृ और शिशु मृत्यु दर में अभूतपूर्वक कमी आई है। इन प्रयासों को अंतराष्ट्रीय एजेंसीज ने भी सराहा है।

साथियों, सरकार का प्रयास है कि बड़े शहरों के आस-पास जो स्वास्थ्य का Infrastructure तैयार किया गया है, उसको सुदृढ़ करने के साथ-साथ ऐसी ही सुविधाएं टियर-2 और टियर-3 शहरों तक पहुंचाई जाए। इसके लिए सरकार दो व्यापक स्तर पर काम कर रही है। एक तो जो हमारे मौजूदा अस्पताल हैं उनको और अधिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। और दूसरा, देश के दूर-दराज वाले इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं को पहुंचाया जा रहा है।

साथियों, आजादी के 70 वर्षों में जितने एम्स स्वीकृत हुए या बनाए गए हैं उससे अधिक बीते चार वर्षों में मंजूर किए गए हैं। देश में 13 नए एम्स की घोषणा की गई है जिसमें से आठ पर काम शुरू हो चुका है। इसके अलावा देश भर में 15 मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

साथियों, न्यू इंडिया के लिए ये ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण किया जा रहा है जहां उत्तम और पर्याप्त अस्पताल हो, ज्यादा बेड हों, बेहतर सुविधा हो और श्रेष्ठ डॉक्टर और उनकी टीम हो। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए Medical Education में भी नए अवसरों का निर्माण किया जा रहा है। हमारी सरकार 58 Districts में अस्पतालों को Medical College के तौर पर upgrade करने का काम कर रही है। इस बजट में ही सरकार ने 24 नए मेडिकल कॉलेज बनाने का ऐलान किया है। सरकार का प्रयास है कि तीन लोकसभा सीटों पर कम-से-कम एक मेडिकल कॉलेज अवश्य हो। इन चार वर्षों में देश भर में मेडिकल की लगभग 25 हजार Under Graduate or Post Graduate की नई सीटें जोड़ी गई हैं। सरकार ने Admission Process को भी और पारदर्शी बनाने का काम किया है।

साथियों, इस सरकार का विजन सिर्फ अस्पताल, बीमारी और दवाई और आधुनिक सुविधाओं तक ही सीमित नहीं है। कम खर्च पर देश के हर व्यक्ति को इलाज सुनिश्चित हो, लोगों को बीमार बनाने वाले कारणों को खत्म करने का प्रयास हो, इसी सोच के साथ National Health Policy का निर्माण किया गया है। हमारी सरकार ने स्वास्थ्य सेवा को, स्वास्थ्य मंत्रालय के दायरे से बाहर निकालने का भी प्रयास किया है। हमारे स्वास्थ्य के विजन के साथ आज ग्रामीण विकास मंत्रालय भी जुड़ा है। स्वच्छता और पेयजल मंत्रालय भी जुड़ा है। महिला और बाल विकास मंत्रालय को भी उसके साथ जोड़ा गया है। और इन सभी को हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त कर और आयुष मंत्रालय से भी सहयोग मिल रहा है। सरकार के विजन में बीमारी और गरीबी के बीच जो संबंध है उसे देखते हुए योजनाएं बनाई गई हैं। उन्हें लागू करने का भरपूर प्रयास किया गया है। गरीबी की बड़ी वजह बीमारी भी है। और इसलिए बीमारी को रोकने का मतलब गरीबी को भी रोकना होता है। इसी दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालयों का निर्माण, मिशन इंद्रधनुष के तहत, दूर-दराज वाले इलाकों में टीकाकरण, राष्ट्रीय पोषण अभियान और आयुषमान भारत जैसी अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं गरीब का बीमारी पर होने वाला खर्च कम कर रही हैं। Preventive or Affordable Healthcare को लेकर जितनी गंभीरता से देश में अभी काम हो रहा है उतना शायद पहले कभी नहीं हुआ।

National Health Protection Scheme या आयुषमान भारत भी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस योजना के तहत देश भर में लगभग डेढ़ लाख यानि देश के हर बड़ी पंचायत के बीच एक Health & wellness centre स्थापित करने पर काम चल रहा है। भविष्य में इन सेंटरों में ही बीमारी की पहचान के लिए टेस्ट और उपचार की आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। इसका बहुत बड़ा लाभ गांव और कस्बों में रहने वाले लोगों को भी मिलने जा रहा है। वहीं गंभीर बीमारी की स्थिति में देश के गरीब और निम्न मध्यम वर्ग के लोगों को उत्तम और पांच लाख तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित करने पर काम चल रहा है। इस योजना से ज्यादा से ज्यादा राज्यों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। निजी अस्पताल से जुड़े लोगों से भी चर्चा चल रही है। मोटे तौर पर अनेक विषयों में सभी stakeholders के साथ सहमति बन चुकी है और बहुत जल्द ये दुनिया की सबसे बड़ी, दुनिया की सबसे बड़ी Health Insurance Scheme जमीन पर उतरने वाली है।

साथियों, ये योजना सिर्फ गरीबों के लिए ही जीवन दान देने वाली है, इतना नहीं है बल्कि मेडिकल सेक्टर में एक अभूतपूर्व अवसर पैदा करने वाली एक नई क्रांति की मिशाल है। इस योजना की वजह से आने वाले समय में देश के गांव और छोटे कस्बों के आस-पास जो अस्पतालों को बड़ा नेटवर्क बनना सुनिश्चित है। बहुत बड़ी मात्रा में नये अस्पताल बनना बहुत स्वाभाविक है। क्योंकि जब बीमारी का खर्च कोई और उठाने वाला है तो बीमार अस्पताल जाना पसंद करने वाला है जो आज जाना टाल रहा है। और बीमार अस्पताल आने के बाद पैसा कहीं से मिलना सुनिश्चित है तो अस्पताल और डॉक्टर भी सामने से काम करने के लिए तैयार है। और एक प्रकार से एक ऐसी व्यवस्था विकसित हो रही है जो देश में Human Resource Development, Medical Sector में, देश के अंदर Infrastructure का development or Health conscious society के रूप में हम एक नए युग के अंदर प्रवेश करने वाले हैं। और इस सेक्टर में रोजगार के अवसर तो बढ़ने ही वाले हैं। हम जानते हैं एक डॉक्टर के साथ कितने लोगों को काम करना पड़ता है तब एक डॉक्टर कुछ Perform कर पाता है। कितने लोगों के लिए रोजगार की संभावना है। हाँ, आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के लिए बड़े शहरों की तरफ आने की मजबूरी भी मैं समझता हूँ कि बहुत ही मात्रा में कम हो जाएगी। लोगों को अपने घर के पास ही सारी सुविधाएं मिलेंगी।

साथियों, बीते चार वर्षों में Affordable Health Care को लेकर जो भी योजना सरकार ने चलाई उनका कितना लाभ सामान्य जन को हो रहा है ये जानने के लिए इस महीने की शुरुआत में मैंने खुद देशभर के लाभार्थियों से संवाद किया था। करीब तीन लाख सेंटर, और मेरा अंदाज है तीस-चालीस लाख लोग मेरे सामने थे। उस पर और उस पूरी चर्चा से एक बात जो निकल करके आई, वो ये है कि निम्न मध्यम वर्ग से लेकर गरीब व्यक्ति के स्वास्थ्य के खर्च में आज बहुत कमी आई है। साथियों इसका कारण आप सभी भली-भांति जानते हैं। सरकार द्वारा करीब-करीब 1100 आवश्यक दवाइयों को मूल्य नियंत्रक व्यवस्था के दायरे में लाया गया है। इससे लोगों को लगभग दवाई के पीछे जो खर्च होता था उन परिवारों को लगभग 10 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की बचत हुई है। एक वर्ष में 10 हजार करोड़ रुपये सेविंग- और वो भी एक योजना का परिणाम। देश भर में 3,600 से अधिक जन-औषधि केंद्र खोले जा चुके हैं। इन केंद्रों में 700 से अधिक दवाइयों और डेढ़ सौ से अधिक सर्जरी का सामान सस्ते दाम पर उपलब्ध है। अमृत स्टोरस में भी मिल रही 50 प्रतिशत कम कीमत की दवाईओं का लाभ लगभग 75-80 लाख मरीज उठा चुके हैं। इसके अलावा आज stents और knee plant की कीमत में कमी से देश के गरीब और मध्यम वर्ग के लगभग साढ़े पांच हजार करोड़ की बचत हुई है। इनकी कीमतें पहले के मुकाबले लगभग एक तिहाई हो गई है, तीन गुना कम हो गई है। साथ ही जीएसटी के बाद भी कई दवाईओं की कीमत कम होने से लोगों को भी लाभ मिला है। देश के लगभग हर जिले में Dialysis Centre बनाए गए हैं। यहां गरीबों को निशुल्क Dialysis की सुविधा दी जा रही है। अब तक लगभग ढाई लाख Patient इसका लाभ उठा चुके हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पहले जहां गरीब को मुफ्त Dialysis के लिए सौ-सौ, दो-सौ किलोमीटर जाना पड़ता था अब उसे अपने ही जिले में सुविधा

मिल रही है। जब वो इतना दूर नहीं जा पाता था तो दूसरे अस्पतालों में पैसे खर्च करके Dialysis करवाता था। अब गरीब को मिल रही मुफ्त Dialysis सुविधा से Dialysis के हर सेशन में उसके लगभग 1500 से 2000 रुपए की बचत हो रही है। इस कार्यक्रम के तहत करीब-करीब 25 लाख Dialysis सेशन मुफ्त में किए गए हैं। इसके अलावा Preventive Health Care के रूप में योग ने भी नए सिरे से अपनी पहचान को स्थापित किया है। योगियों की मजाक उड़ाते रहते हैं लेकिन आज पूरे विश्व में योग ने अपने लिए जगह बना ली है उसका डंका बज गया है। मैं ये तो कभी नहीं कह सकता कि किसी भोगी को योग, योगी बना देगा लेकिन मैं इतना जरूर कह सकता हूँ कि योग भोगी को रोगी होने से तो बचा सकता है। आज योग दुनिया भर में Mass Movement बन रहा है। कुछ दिन पहले ही हमने देखा है कि कैसे पूरी दुनिया में 21 जून को अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया, और मुझे बताया गया है, मुझे एम्स में भी इन दिनों योग की काफी जागरूकता आई है। सारे डॉक्टर मित्र भी योग कर रहे थे। मुझे अच्छा लगा।

साथियों, देश के हर नागरिक तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाना इस सरकार का लक्ष्य है लेकिन आप भी सक्रिय सहयोग के बिना, आपके साथ बिना, यानि पूरी इस मेडिकल दुनिया के साथ के बिना ये संभव नहीं है। आज जब देश न्यू इंडिया के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है तो हेल्थ सेक्टर से जुड़े लोगों को भी अपने लिए नए संकल्प तय करने चाहिए। 2022 जब आजादी के 75 साल होंगे, मैं अगर मेडिकल प्रोफेशन में हूँ, मैं डॉक्टर हूँ, मैं और सहायक हूँ- 2022 तक हेल्थ सेक्टर में मेरा ये संकल्प रहेगा जब आजादी के 75 साल होंगे मैं भी इतना करूंगा, ये इस देश में माहौल बनाने की जरूरत है। सरकार साल 2025 तक देश को टीबी से मुक्त करने के लिए कार्य कर रही है। टीबी मरीजों के पोषण को ध्यान में रखते हुए हर महीने उन्हें 500 रुपये की आर्थिक मदद भी दी जा रही है।

साथियों, विश्व के अन्य देशों ने खुद को टीबी मुक्त करने के लिए वर्ष 2030 तक का समय तय किया है। हमें देश को जल्द से जल्द टीबी मुक्त करने के लिए संकल्प के साथ काम करना होगा, दुनिया 2030 में पूरा करना चाहती है हम 2025 में पूरा करना चाहते हैं। पूरी दुनिया की नजर भारत पर है कि क्या वो ऐसा कर पाएगा ? मुझे देश के मेडिकल सेक्टर पर भरोसा है, उसके सामर्थ्य पर भरोसा है, कि वो इस चुनौती पर पूरी प्रतिबद्धता से काम करेंगे और देश को यश दिला करके रहेंगे ये मेरा विश्वास है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण विषय है माता और शिशु मृत्यु दर। जैसा मैंने पहले कहा कि भारत ने पिछले चार वर्षों में इस विषय पर उल्लेखनीय प्रगति की है लेकिन माता और शिशु मृत्यु दर को कम से कम किए जाने के लिए हम सभी को मिलकर अपने प्रयासों को और अधिक बढ़ाने होंगे। इसके लिए **प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान** और **प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना** और **राष्ट्रीय पोषण अभियान** के तहत मिशन मोड में काम चल रहा है। इस मिशन को अपने जीवन का मिशन बना कर कार्य किया जाए। जन आंदोलन की तरह ज्यादा से ज्यादा लोगों को इनसे जोड़ा जाए तो निश्चित तौर पर जल्दी ही और अपेक्षित परिणाम हम प्राप्त करके रहेंगे। ये विश्वास को लेकर आगे बढ़ना है।

साथियों, आज देश में ईमानदारी का ऐसा वातावरण बना है कि ज्यादा से ज्यादा लोग राष्ट्र निर्माण की अपनी जिम्मेदारी बढ़-चढ़ करके आगे बढ़ के उठा रहे हैं। लोगों में ये भाव आया है, ये विश्वास बढ़ा है कि हम जो टैक्स देते हैं उसकी पाई-पाई देश की भलाई के लिए खर्च हो रही है। और इस विश्वास का परिणाम समाज के हर स्तर पर हमें देखने को मिल रहा है। आपको ध्यान होगा मैंने जब लाल किले से देश के लोगों को आग्रह किया था कि जो सक्षम है जो खर्च कर सकते हैं ऐसे लोग गैस सब्सिडी क्यों लेते हैं, छोड़ दीजिए न। इतनी सी बात मैंने कही थी और मेरी इतनी सी बात को इस देश के सवा करोड़ परिवारों ने गैस सब्सिडी छोड़ दी। वर्ना हमारे देश में ऐसा ही मानने को मान लिया जाता है कि भई कोई छोड़ता नहीं है एक बार मिला तो मिला और स्वभाव है आप विमान में जाते होंगे बगल में सीट खाली हो, आपकी सीट नहीं है विमान चलने की तैयारी है तो आपने मोबाइल फोन रखा, किताब रखी और इतने में आखिर में कोई आ गया, उस सीट पर बैठने वाला तो क्या होता है? सीट आपकी

नहीं है आप तो अपनी सीट पर बैठे हैं छोड़ने का मन नहीं करता ये कहाँ से आ गया। इस मानसिकता के बीच इस देश में 25 करोड़ परिवार हैं। 25 करोड़ परिवार में से सवा करोड़ परिवार गैस सब्सिडी कहने मात्र पर छोड़ दें। मतलब देश की ताकत, देश का मिजाज कैसा है इसका हम अनुभव कर सकते हैं। एक और बात मैं बताना चाहता हूँ इसी तरह बीते दिनों रेलवे द्वारा, आपको मालूम हैं जो सीनियर सिटीजन जो रेलवे में यात्रा करते हैं उनको सब्सिडी मिलती है कंसेशन मिलता है। और मैंने भी कभी इसका ऐलान नहीं किया था कि मैं सोच रहा था करुं न करुं लेकिन रेलवे ने अपने फार्म में लिख दिया कि क्या आप अपनी सब्सिडी छोड़ने के लिए सहमत हैं। आप जानकर के आश्चर्य होगा जी, और हमारे इस देश की ताकत को पहचानना होगा। सिर्फ रेलवे के Reservation के application form में इतना लिखा गया कि क्या आप अपना senior citizen का benefit छोड़ना चाहते हो। और मैं गर्व से कह रहा हूँ पिछले आठ-नौ महीने के भीतर 42 lacs senior citizen passengers ने अपनी subsidy का benefit नहीं लिया, छोड़ दिया। यानि देश के भीतर क्या माहौल बना है। ऐसे ही मैंने एक बार देश के डॉक्टरों से आग्रह किया था। मैंने कहा था कि महीने में एक बार 9 तारीख को कोई भी गरीब pregnant women आपके दरवाजे पर आती है आप सेवा भाव से महीने में एक दिन 9 तारीख को उस गरीब मां को समर्पित कर दीजिए। उस गरीब को चेक कीजिए उसको गाइड कीजिए उसको क्या करना है और मुझे खुशी है कि हजारों डॉक्टर बहुत ही सेवा भाव से आगे आए, उनके अपने अस्पताल के बाहर बोर्ड लगा दिया है और 9 तारीख को वहां मुफ्त में सेवा मिलती है ये जानकर के गर्भवती महिलाएं उन डॉक्टरों के पास पहुंचती हैं। करोड़ों बहनों को इसका फायदा मिला है। मैं चाहूंगा कि हमारे और डॉक्टर मित्र आगे आएँ ये ऐसा सेवा का काम है क्योंकि हम सबने मिलकर के इन समस्याओं के समाधान के लिए देश में दो कदम आगे बढ़ना है। **प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान** के तहत अब तक देश में सवा करोड़ गर्भवती महिलाओं की जांच इन डॉक्टरों के द्वारा हुई है, सवा करोड़। मैं इस अभियान में उन मेरे डॉक्टरों मित्रों के सहयोग के लिए, हर मेडिकल प्रोफेशन के लिए काम करने वाले, इन सबकी प्रशंसा करता हूँ। और मैं चाहूंगा कि इस बात आगे बढ़ाएँ। यही सेवा भाव इस समय राष्ट्रीय स्वराज अभियान के दौरान किया जा रहा है। हमने भी एक कार्यक्रम किया आपको जरा कुछ चीजें चौबिस घंटे चैनल में नहीं दिखाई देती हैं न अखबार की सुर्खियों में होती है। हमने एक ग्राम स्वराज अभियान किया। एक 17 thousand select किए उसके कुछ पैरामीटर थे और 7 काम तय किए उन 7 काम को वहां 100 percent पूरा करना है। उसमें एक टीकाकरण था। इस टीकाकरण के काम को हमने सफलतापूर्वक 17 thousand villages में पूरा किया। अभी हमने तय किया है कि 15 अगस्त तक 115 जो aspirational districts हमने बनाए हैं। जो आज राज्य की जो average से है उसके भी पीछे हैं लेकिन ताकतवर हैं। उन 115 districts के अंदर करीब 45 thousand villages हैं जहां देश के करीब ग्रामीण जीवन की 40 प्रतिशत जनसंख्या इस जगह पर रहती है। उनके लिए भी 7 ऐसे काम बताए जो हमने 100 प्रतिशत पूरे करने हैं। उसमें भी एक टीकाकरण है। यानि एक प्रकार से हेल्थ सेक्टर में और देश में टीकाकरण के दायरों को बढ़ाने में अलग-अलग सेक्टरों से जुड़े हुए व्यक्तियों ने जिस तरह का काम किया है मैं समझता हूँ वो भी प्रशंसनीय है। ये आप सभी के प्रयास ही हैं संभव हुआ है कि आज देश के टीकाकरण के बढ़ने की रफ्तार छः प्रतिशत तक पहुंच गई है। छः प्रतिशत सुनने के बाद आपको ज्यादा लगता नहीं है। छः प्रतिशत लेकिन पहले एक प्रतिशत भी नहीं होता था। आपकी इस प्रतिबद्धता की वजह से देश संपूर्ण टीकाकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर बढ़ रहा है। देश में हर गर्भवती महिला और शिशु को टीकाकरण का संकल्प नए भारत के निर्माण में, स्वस्थ परिवार के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाएगा।

साथियों, स्वस्थ परिवार से ही स्वस्थ समाज और स्वस्थ समाज से ही स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होता है। हम सब पर और विशेषकर आप पर देश को स्वस्थ रखने की जिम्मेवारी है। और इसलिए राष्ट्रपति जी भी आपको राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण पैरवी कहते थे। आइए सरकार के साथ मिलकर **सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु। मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्॥** इस निरामय जगत के

लिए निरामय लोगों के लिए इस संकल्प को मन में धारण करते हुए न्यू इंडिया को सिद्ध करने के लिए हम सब आगे बढ़ें। आज यहां इस आयोजन में जो सुविधाएं दिल्ली और देश को मिली हैं उनके लिए एक बार फिर मैं बहुत-बहुत बधाई के साथ विभाग को भी बधाई देता हूं। उन्होंने समय-सीमा में इन सारे कामों को पूरा करने का भरसक प्रयास किया है। क्योंकि मेरा आग्रह है कि हम उन्हीं कामों को हाथों लगाएंगे जिसको हम पूरा कर पाएं। वरना हमारे देश में हाल ऐसा था कि Parliament के अंदर रेलवे बजट में संसद की पवित्रता, संसद में commitment होता है। मैंने मार्क किया बड़ी-बड़ी ध्यान में मेरे आया, करीब-करीब 15 सौ चीजें घोषित की गई थी, अकेले रेलवे ने पिछले तीस, चालीस, पचास साल में, और मैंने जब पूछा कहां है तो कागज पर भी नहीं थी। जमीन पर तो नहीं आई। हम उस रास्ते पर जाना नहीं चाहते। हम पत्थर जड़ने के लिए नहीं आए जी, हम एक बदलाव का संकल्प लेकर के आए हैं और आप सबका साथ मांगने के लिए आए हैं। आपका साथ और सहयोग लेकर के देश की आशा आंकाक्षा को पूर्ण करने का एक संकल्प लेकर के चल पड़े हैं। मुझे विश्वास है मेरे साथियों आप भी हमें सहयोग देंगे।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

अतुल कुमार तिवारी/ कंचन पतियाल/ममता.

(रिलीज़ आईडी: 1537194) आगंतुक पटल : 408

प्रधानमंत्री कार्यालय

गाजीपुर में महाराजा सुहेल देव की स्मृति में डाक टिकट जारी करने और मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखने के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 29 DEC 2018 8:01PM by PIB Delhi

भारत माता की जय, भारत माता की जय, भारत माता की जय, मैं एक नारा बुलवाऊंगा आप सबको मेरे साथ बोलना होगा- मैं कहूंगा महाराजा सुहेलदेव.. आप सब दोनो हाथ ऊपर करके बोलेंगे दो बार बोलेंगे अमर रहे अमर रहे, महाराजा सुहेलदेव अमर रहे अमर रहे, महाराजा सुहेलदेव अमर रहे अमर रहे, महाराजा सुहेलदेव अमर रहे अमर रहे, महाराजा सुहेलदेव अमर रहे अमर रहे, महाराजा सुहेलदेव अमर रहे अमर रहे।

विशाल संख्या में पधारे मेरे प्रिय भाईयो और बहनों।

देश की सुरक्षा के लिए शूरवीर देने वाली, वीर सपूत देने वाली, सेनानियों को जन्म देने वाली, ये धरती जहां ऋषियों, मुनियों के चरण पड़े हैं। ऐसे गाजीपुर में एक बार फिर आना मेरे लिए बहुत ही सुखद है।

आप सभी का उत्साह और जोश हमेशा से मेरी ऊर्जा का स्रोत रहा है। आज भी आप इतनी भारी संख्या में यहां आए हैं और ऐसे ठंड के माहौल में मुझे आशीर्वाद देने पहुंचे हैं। इसके लिए मैं आप सभी को नमन करता हूं।

साथियों, उत्तर प्रदेश में मेरे आज के प्रवास के दौरान आज पूर्वांचल को देश का एक बड़ा Medical Hub बनाने का, कृषि से जुड़े शोध का महत्वपूर्ण सेंटर बनाने और यूपी के लघू उद्योगों को मजबूत करने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए जाएंगे। थोड़ी देर पहले ही गाजीपुर में बनने वाले नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया गया है।

आज यहां पूर्वांचल और पूरे उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाला एक और पुण्य कार्य हुआ है। पूरे देश के कोने-कोने का ये गौरव बढ़ाने वाले अवसर हैं। हर हिन्दुस्तानी को अपना देश, अपनी संस्कृति, अपनी महाक्रोश उनकी वीरता का पुनः स्मरण कराने का एक पुण्य कार्य आज यहां हुआ है। महाराजा सुहेलदेव की शौर्य गाथा देश के लिए उनके योगदान को नमन करते हुए थोड़ी देर पहले उनकी स्मृति में Postal Stamp जारी किया गया है। पांच रुपये की कीमत का ये डाक टिकट लाखों की संख्या में देश भर के Post Office के माध्यम से देश के घर-घर पहुंचने वाला है। महाराजा सुहेलदेव को- उनके महान कार्यों को हिन्दुस्तान के हर कोनों में, हर घर में पहुंचाने का एक नम्र प्रयास इस postal stamp के माध्यम से होने वाला है।

साथियों, महाराजा सुहेलदेव देश के उन वीरों में रहे हैं। जिन्होंने मां भारती के सम्मान के लिए संघर्ष किया। महाराजा सुहेलदेव जैसे नायक जिनसे हर वंचित, हर शोषित प्रेरणा लेता है। उनका स्मरण भी तो **‘सबका साथ सबका विकास’** के मंत्र को और नई शक्ति देता है। ऐसा कहते हैं कि जब महाराजा सुहेलदेव का राज था तो लोग घरों में ताला लगाने की भी जरूरत नहीं समझते थे। अपने शासन में उन्होंने लोगों के जीवन को आसान बनाने, गरीबों को सशक्त करने के लिए अनेक कार्य किए हैं। उन्होंने सड़कें बनवाई, बगीचे लगवाए, पाठशालाएं खुलवाई, मंदिरों की स्थापना की और अपने राज्य को बहुत ही सुंदर रूप दिया। जब विदेशी आक्राता ने भारत भूमि पर आंख उठाई तो महाराजा सुहेलदेव उन महावीरों में थे जिन्होंने उनका डटकर मुकाबला किया और दुश्मनों को परास्त किया। उन्होंने आस-पास के अन्य राजाओं को जोड़कर ऐसी संगठन शक्ति उत्पन्न की, कि दुश्मन उनके सामने टिक नहीं पाए। महाराजा सुहेलदेव का जीवन एक बेहतरीन योद्धा, कुशल रणनीतिकार, संगठन शक्ति के निर्माता ऐसी अनेक प्रेरणा की वे मूर्ति रहे हैं। वो सबको साथ लेकर चलते थे। महाराजा सुहेलदेव सबके थे।

भाईयों और बहनों देश के ऐसे वीर वीरागनाओं को, जिन्हें पहले की सरकारों ने एक प्रकार से भूला दिया, मान नहीं दिया, उनको नमन करना ये हमारी सरकार ने अपना दायित्व समझा है। हमने हमारी जिम्मेवारी समझी है।

भाईयों और बहनों उत्तर प्रदेश के बहराइच जनपद में चितोरा, जब भी हम महाराजा सुहेलदेव को याद करते हैं तो बहराइच जनपद के चितोरा को कभी भूल नहीं सकते। वही धरती थी जहां महाराजा ने आक्राताओं को समाप्त किया था, परास्त किया था। योगी जी की सरकार ने उस स्थान पर जहां महाराजा सुहेलदेव ने भव्य विजय प्राप्त किया था और जिस महापुरुष को हजार साल तक भूला दिया गया था। उनकी स्मारक में उस विजय को याद कराने वाली पीढ़ियां इसके लिए एक भव्य स्मारक बनाने का भी आज उत्तर प्रदेश की सरकार ने फैसला किया है। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को महाराजा सुहेलदेव के स्मारक के लिए, इस कल्पना के लिए, इतिहास को पुर्नजीवित करने के लिए हृदयपूर्वक बहुत-बहुत बधाई देता हूं और महाराजा सुहेलदेव से प्रेरणा लेने वाले हर किसी को देश के कोने-कोने में प्रेरणा मिलती रहे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।

ये भारतीय जनता पार्टी के अगुवाई वाली केंद्र सरकार का दृढ़ निश्चय है कि जिन्होंने भी भारत की रक्षा, सुरक्षा, भारत के सामाजिक जीवन को ऊपर उठाने में योगदान दिया है उनकी स्मृति को मिटने नहीं दिया जाएगा। अपने इतिहास, अपनी पुरातन संस्कृति के स्वर्णिम पृष्ठों पर धूल जमने नहीं दी जाएगी।

साथियों, महाराजा सुहेलदेव जितने बड़े वीर थे उतने ही बड़े दयालु और संवेदनशील थे। संवेदनशीलता के यही संस्कार हम सरकार में, व्यवस्था में लाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। केंद्र और यूपी सरकार पूरी ईमानदारी से ये प्रयास कर रही है कि गरीब, पिछड़े, दलित, शाश्वित, वंचित हर प्रकार से समाज का ये तबका सशक्त हो, सामर्थ्यवान हो, अपने हकों को पाकर के रहे। ये सपना लेकर के हम काम कर रहे हैं। उनकी आवाज व्यवस्था तक आसानी से पहुंचे।

भाईयों और बहनों आज सरकार सामान्य जनता के लिए सुलभ भी है और अनेक समस्याओं के स्थायी समाधान की कोशिश कर रही है। वोट के लिए तत्कालीक घोषणाओं, फीते काटने की परंपरा को हमारी सरकार ने पूरी तरह बदला है। सरकार के संस्कार और व्यवहार में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि आज गरीब से गरीब की भी सुनवाई होने का मार्ग खुला है।

साथियों, समाज के आखिरी पायदान पर खड़े व्यक्ति को गरिमा पूर्ण जीवन देने का ये अभियान अभी शुरुआती दौर में है। अभी एक ठोस आधार बनाने में सरकार सफल हुई है। इसी नींव पर मजबूत इमारत तैयार करने का काम अभी बाकी है। पूर्वांचल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार इसी दिशा में उठाया गया कदम है। स्वास्थ्य की दृष्टि से देश में सबसे कम विकसित क्षेत्रों में से एक पूर्वांचल को Medical Hub बनाने की दिशा में निरंतर तेजी लाई जा रही है।

भाईयों और बहनों थोड़ी देर पहले जिस medical college का शिलान्यास किया गया है, उससे इस क्षेत्र को आधुनिक चिकित्सा सुविधा तो मिलेगी ही। गाजीपुर में नए और मेधावी डॉक्टर भी तैयार होंगे। यहां के नौजवानों को डॉक्टर बनने का सपना अपने घर में पूरा करने का मौका मिलेगा। करीब ढाई सौ करोड़ की लागत से जब ये कॉलेज बनकर तैयार हो जाएगा तो गाजीपुर का जिला अस्पताल 300 बेड का हो जाएगा। इस अस्पताल से गाजीपुर के साथ-साथ आस-पास के अन्य जिलों के लोगों को भी लाभ होगा। लंबे समय से ये आप सभी की मांग रही थी और आप सभी के प्रिय हमारे साथी मनोज सिन्हा जी भी निरंतर इसको आवाज देते रहे हैं। बहुत जल्दी ही ये अस्पताल आप सभी की सेवा के लिए समर्पित होगा। इसके अलावा गाजीपुर में 100 बिस्तर वाले मेटरनिटी अस्पताल की सुविधा भी जुड़ चुकी है। जिला अस्पताल में आधुनिक एंबुलेंस की सुविधा दी गई है। आने वाले समय में इन सुविधाओं को और विस्तार दिया जाएगा।

भाईयों और बहनों गाजीपुर का नया मेडिकल कॉलेज हो, गोरखपुर का एम्स हो, वाराणसी में बन रहे अनेक आधुनिक अस्पताल हो, पुराने अस्पतालों का विस्तार हो, पूर्वांचल में हजारों करोड़ों की स्वास्थ्य सुविधाएं तैयार हो रही हैं।

साथियों, गरीब और मध्यम वर्ग के स्वास्थ्य को आजादी के इतिहास में पहली बार इतनी प्राथमिकता दी जा रही है। **आयुष्मान भारत योजना, PMJAY** लोग उसको मोदीकेयर भी कहते हैं। इस **PMJAY आयुष्मान योजना** का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचे इसका प्रयास किया जा रहा है। इस योजना से कैंसर जैसी सैंकड़ों गंभीर बीमारियों की स्थिति में पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज सुनिश्चित हुआ है। सिर्फ 100 दिन के भीतर ही देश भर के करीब साढ़े छह लाख गरीब बहनों-भाईयों का मुफ्त इलाज या तो हो चुका है या फिर अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसमें हमारे उत्तर प्रदेश के भी 14 हजार से ज्यादा बहनों-भाईयों को इसका लाभ मिला है। और ये वो लोग हैं दो-दो, चार-चार, पांच-पांच साल से गंभीर बीमारी के साथ मौत का इंतजार कर रहे थे। डर लग रहा था अगर उपचार कराऊंगा तो पूरा परिवार कर्ज में डूब जाएगा। वो दवाई नहीं करवाते थे मुसीबत झेलते थे, **आयुष्मान भारत योजना** ने ऐसे लोगों को ताकत दी, हौसला दिया, अब वो अस्पताल आए हैं उनके ऑपरेशन हो रहे हैं और हंसते-खेलते अपने घर लौट रहे हैं। इतना ही नहीं सरकार देश के हर परिवार को **प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और सुरक्षा बीमा** जैसी योजनाओं से जोड़ने का भी प्रयास कर रही है। मुश्किल समय में 2 लाख रुपये तक की मदद मिल पाए इसके लिए सिर्फ 90 पैसे प्रतिदिन और 1 रुपये महीना के थोड़े से प्रीमियम पर ये योजनाएं चल रही हैं। इन दोनों योजनाओं से देश भर में 20 करोड़ से अधिक लोग जुड़ चुके हैं इसमें करीब पौने दो करोड़ लोग हमारे उत्तर प्रदेश के भी हैं जिसके तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक जरूरतमंद परिवारों तक ये रकम पहुंच चुकी है और जिसमें से करीब 4 सौ करोड़ रुपये का क्लेम उत्तर प्रदेश के ऐसे परिवारों के घर पहुंच चुका है।

साथियों, 4 सौ करोड़ रुपया 90 पैसे के बीमा से इन परिवारों तक पहुंचा, उनके परिवारों को कितनी ताकत मिली होगी।

साथियों, जब सरकारें पारदर्शिता के साथ काम करती हैं, जब जनहित स्वहित से ऊपर रखा जाता है, संवेदनशीलता जब साधन का स्वभाव होता है तो ऐसे बड़े काम स्वाभाविक रूप से होते हैं। जब लक्ष्य व्यवस्था में स्थायी परिवर्तन होता है तब ऐसे बड़े काम होते हैं। तब दूर की सोच के साथ स्थाई और ईमानदार प्रयास किए जाते हैं।

साथियों, काशी का Rice Research Institute हो वाराणसी और गाजीपुर में बने Cargo Centre हो, गोरखपुर में बन रहे खाद्य का कारखाना हो, बाणसागर जैसी सिंचाई परियोजनाएं हो, बीच से बाजार तक की अनेक व्यवस्थाएं देश भर में तैयार हो रही हैं। मुझे बताया गया है कि गाजीपुर में जो Perishable Cargo Centre बना है उससे यहां की हरी मिर्च और हरी मटर... हमारे मनोज जी बता रहे थे दुबई के बाजार में बिक रही है। किसानों को पहले की तुलना में अब बेहतर दाम मिल रहे हैं।

आज जो भी काम हो रहा है पूरी प्रमाणिकता के साथ ईमानदारी से किसानों की आय दोगुना करने के लिए हो रहा है। कम लागत में अधिक लाभ किसानों को मिले इस दिशा में पूरी लगन से काम किया जा रहा है।

भाईयो और बहनों वोट बटोरने के लिए लुभावने उपायों को हर्ष क्या होता है वो अभी मध्यप्रदेश और राजस्थान में दिख रहा है। सरकार बदलते ही अब वहां खाद्य के लिए, यूरिया के लिए कतारें लगनी लगी, लाठियां चलने लगी। काले बाजार करने वाले मैदान में आ गए। कर्नाटक में लाखों किसानों की कर्ज माफी का वायदा किया गया था।

भाईयो और बहनों ये सच्चाई समझिए कर्नाटक में अभी-अभी कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से सरकार बनाई और कर्ज माफी का किसानों को वायदा किया था। लॉलीपोप पकड़ा दिया था। लाखों किसानों का कर्ज माफ होना था और किया कितना बताऊं...बताऊं.... कितना किया.... कितने किसानों को लाभ मिला बताऊं...आप हैरान हो जाएंगे। बताऊं.... लाखों किसानों की कर्ज माफी का वायदा किया गया था, वोट चुरा लिए गए। पिछले दरवाजे से चोरी रास्ते से सरकार बना दी गई और दिया कितनों को सिर्फ सिर्फ सिर्फ सिर्फ 800 लोगों को।

आप मुझे बताइए ये कैसे वायदे ये कैसे खेल... ये किसानों के साथ कैसा धोखा हो रहा है इसको आप समझिए भाईयो और बहनों। जिनका नहीं हुआ कर्जमाफी तो नहीं हुआ लेकिन अब उनके पीछे पुलिस छोड़ दी गई है....जाओ पैसे जमा करवाओ।

साथियों, तत्कालीन राजनीति लाभ के लिए जो वायदे किए जाते हैं, जो फैसले लिए जाते हैं उनसे देश की समस्याओं का स्थाई समाधान नहीं हो सकता।

2009 के चुनाव से पहले क्या हुआ आप सभी उसके साक्षी हैं, 2009 के चुनाव से पहले भी ये ऐसे ही लॉलीपोप पकड़ाने वालों ने कर्जमाफी का वायदा किया था। देश भर के किसानों का कर्जमाफी का वायदा किया था। मैं यहां जो किसान हैं मैं जरा पूछना चाहता हूं 10 साल पहले 2009 में क्या आपका कर्ज माफ हुआ था क्या, माफ हुआ था क्या, आपके खाते में पैसा आया क्या, आपको कोई मदद मिली क्या। वायदा हुआ था कि नहीं हुआ था। सरकार बनी थी कि नहीं बनी थी और आपको भूला दिया गया था कि नहीं भूला दिया गया था। ऐसे लोगों पर भरोसा करोगे क्या... ये लॉलीपोप कंपनी पर भरोसा करोगे क्या... ये झूठ बोलने वालों पर भरोसा करोगे क्या... ये जनता को धोखा देने वालों पर भरोसा करोगे क्या...

भाईयो और बहनों आपको हैरानी होगी तब छह लाख करोड़ रुपए का कर्ज किसानों पर था पूरे देश में छह लाख करोड़ रुपए का लेकिन माफ करने की घोषणा की गई वो कितने की हुई आपको मालूम है... छह लाख करोड़ का कर्ज था और चुनने के बाद, सरकार बनने के बाद कैसी डरामेबाजी की गई, कैसा किसानों की आंख में धूल झांकी गई ये आंकड़ा खुद बोल देता है। छह लाख करोड़ के सामने कितने रूपयों का कर्ज माफ कर दिया गया मालूम है आपको मैं बताऊं.... याद रखोगे... याद रखोगे ये लोग आ जाए लॉलीपोप पकड़ाने, दुबारा याद कराओगे, पक्का कराओगे... छह लाख करोड़ रुपए का कर्ज किसानों का और दिए कितने सिर्फ सिर्फ सिर्फ 60 हजार करोड़, कहां छह लाख करोड़ और कहां 60 हजार करोड़... इतना ही नहीं... दिया वो भी किसको दिया जब CAG का रिपोर्ट आया तो पाया गया कि उसमें 35 लाख बहुत बड़ी रकम इन 35 लाख लोगों के घर में ही गई और वो न किसान थे, न कर्ज था, न कर्जमाफी के हकदार थे। ये रुपया आपका गया कि नहीं गया, ये चोरी हुई कि नहीं हुई जिनका कर्ज माफ हुआ भी उनमें से भी लाखों को सर्टिफिकेट ही नहीं दिया गया। जिसके चलते उसका ब्याज चढ़ता गया और बाद में उस बेचारे किसान को कर्ज ब्याज समेत extra देना पड़ा। ये पाप इन लोगों ने किया है।

भाईयो और बहनों ये लोग दुबारा भी कर्ज लेने के लायक नहीं रहे। उनको शराब के पास जाना पड़ा, उनको प्राइवेट में कर्ज लेने जाना पड़ा। मंहगे कर्ज लेना पड़ा।

साथियों, इस प्रकार की कर्जमाफी का लाभ किसको हुआ कम-से-कम किसान को तो नहीं हुआ। इसलिए मेरा आग्रह होगा कि कांग्रेस के इस झूठ और बेईमानी से सतर्क रहिए। याद रखिए कि कांग्रेस की सरकार ने तो **स्वामीनाथन आयोग** की सिफारिश तक को लागू नहीं किया था। कांग्रेस के चलते ही किसानों को लागत का डेढ़ गुना मूल्य देने की सिफारिश वाली फाइल बरसों तक ये कांग्रेस वाले उस पर बैठ रहे थे, बैठे हुए थे। निकालते नहीं थे, अगर कांग्रेस ने अपने जमाने में आज से 11 साल पहले अगर **स्वामीनाथन कमीशन** को स्वीकार किया होता, लागू किया होता, लागत का डेढ़ गुना दाम किसानों को देना तय किया होता तो आज मेरा किसान कर्जदार होता ही नहीं, उसको कर्ज की जरूरत ही नहीं पड़ती। लेकिन आपका पाप, आपने उस फाइल को दबाकर के रखा, किसान को दाम नहीं दिया, एमएसपी नहीं दिया, किसान बर्बाद हो गया, कर्जदार हो गया। ये आपके पापों का परिणाम है। इस फाइल को भाजपा सरकार ने बाहर निकाला और दाम सहित 22 फसलों का एमएसपी लागत का डेढ़ गुना तय किया गया।

भाईयो और बहनों ऐसे अनेक काम हैं जो बीते चार वर्षों से किए जा रहे हैं। जो छोटा किसान है उसको भी हमारी सरकार बैंकों से जोड़ रही है। मंडियों में नया Infrastructure नई सुविधाएं अब तैयार हो रही हैं। तकनीक के माध्यम से मंडियों को अब तैयार किया जा रहा है। नए cold storage, mega food park उसकी भी चेन अब तैयार हो रही है।

साथियों, किसान की फसल से लेकर उद्योगों के लिए जरूरी आधुनिक Infrastructure भी यही सरकार तैयार कर रही है। पूर्वांचल की बेहतर connectivity के लिए बीते साढ़े चार वर्ष में अनेक काम पूरे हो चुके हैं और अनेक प्रोजेक्ट्स आने वाले समय में पूरे होने वाले हैं। पूर्वांचल expressway पर काम तेज गति से चल रहा है।

पिछली बार जब मैं गाजीपुर आया था तो ताड़ीघाट गाजीपुर रेल रोड पुल का शिलान्यास किया था। मुझे बताया गया है कि जल्द ही ये भी सेवा के लिए तैयार हो जाएगा। इससे पूर्वांचल के लोगों को दिल्ली और हावड़ा जाने के लिए एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा।

साथियों, बीते साढ़े चार वर्षों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में रेलवे के महत्वपूर्ण काम हुए हैं। स्टेशन आधुनिक हो रहे हैं, लाइनों का दोहरीकरण और विद्युतीकरण हो रहा है। कई नई ट्रेनें शुरू हुई हैं। गांवों की सड़कें हो, नेशनल हाईवे हो, या फिर पूर्वांचल एक्सप्रेस वे.... जब ये तमाम प्रोजेक्ट पूरे हो जाएंगे तो इस क्षेत्र की तस्वीर ही बदलने वाली है। हाल में जो वाराणसी से लेकर कोलकत्ता तक नदी मार्ग की शुरुआत की गई है उसका भी लाभ गाजीपुर को मिलना तय है। यहां जेटी बनने वाली है जिसका शिलान्यास भी हो चुका है। इन तमाम सुविधाओं के बनने से ये पूरा क्षेत्र व्यापार और कारोबार का सेंटर बनेगा, यहां उद्योग धंधे लगेंगे, युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

साथियों, स्वराज के इस संकल्प की तरफ हम निरंतर कदम उठा रहे हैं। **प्रधानमंत्री आवास योजना हो, स्वच्छ भारत अभियान हो, उज्ज्वला योजना हो, आयुष्मान भारत योजना हो, मुद्रा योजना हो, सौभाग्य योजना हो**, ये सिर्फ योजनाएं नहीं बल्कि सशक्तिकरण के माध्यम हैं। विकास की पंचधारा बच्चों को पढ़ाई, युवाओं को कमाई, बुजुर्गों को दवाई, किसान को सिंचाई और जन-जन की सुनवाई के लिए ये मजबूत कड़ियां हैं।

भाईयो और बहनों आना वाला समय आपका है, आपके बच्चों का है, युवा पीढ़ी का है। आपके भविष्य को संवारने के लिए आपके बच्चों का भविष्य बनाने के लिए आपका ये चौकीदार बहुत ईमानदारी से बहुत लगन के साथ दिन-रात एक कर रहा है। आप अपना विश्वास और आशीर्वाद इसी तरह बनाए रखिए क्योंकि चौकीदार की वजह से कुछ चोरों की रातों की नींद उड़ गई है। मुझपर आपका विश्वास और आशीर्वाद ही एक दिन.... एक दिन ऐसा आएगा इन चोरों को सही जगह तक ले जाएगा।

एक बार फिर आपको नए मेडिकल कॉलेज के लिए बहुत-बहुत बधाई के साथ फिर एक बार महाराजा सुहेलदेव के महान पराक्रमों को प्रणाम करते हुए, मैं मेरी बात को समाप्त करता हूं। दो दिन बाद 2019 का वर्ष शुरू होगा इस नए वर्ष के लिए भी मैं आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

भारत माता की जय..... भारत माता की जय

अतुल कुमार तिवारी/ शाहबाज हसीबी/ ममता

(रिलीज़ आईडी: 1562024) आगंतुक पटल : 110

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Marathi , Tamil